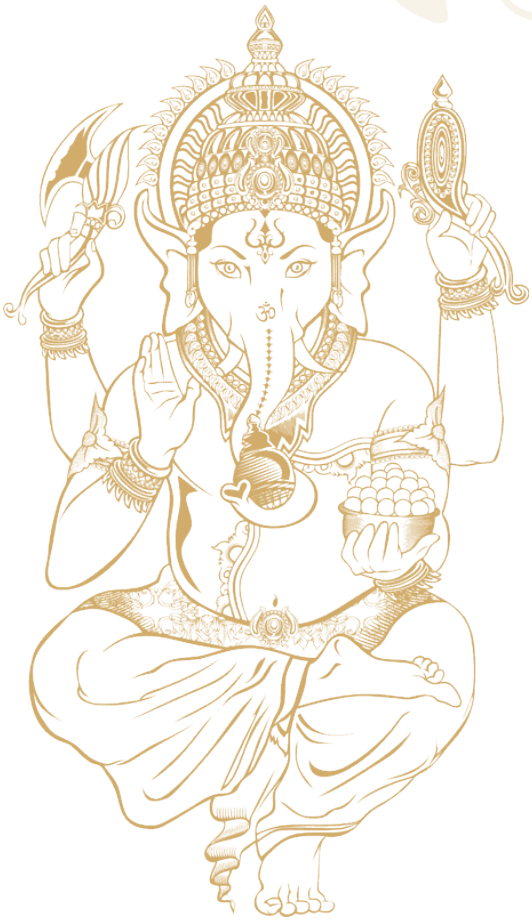

Mr. Sargam

Ms. Sakshee Chandra

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120524301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120524301 Date: 12/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/05/1995	जन्म तिथि	21/04/1995
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 17:25:00	जन्म समय	23:30:00 घंटे
घटी 30:03:26	जन्म समय(घटी)	44:25:14 घटी
India	देश	India
Mandla	स्थान	Seoni
22:35:00 उत्तर	अक्षांश	22:06:00 उत्तर
80:28:00 पूर्व	रेखांश	79:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:08	स्थानिक संस्कार	-00:11:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:37	सूर्योदय	05:47:51
18:48:01	सूर्यास्त	18:33:25
23:47:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:39
तुला	लग्न	धनु
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मिथुन	राशि	मकर
बुध	राशि-स्वामी	शनि
आर्द्रा	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
राहु	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
1	चरण	2
शूल	योग	सिद्ध
कौलव	करण	बालव
कू-कुणाल	जन्म नामाक्षर	भो-भोली
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
श्वान	योनि	नकुल
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 15वर्ष 4मा 1दि		28:25:48	तुला	लग्न	धनु	14:24:13	सूर्य 3वर्ष 5मा 7दि	
गुरु		15:47:02	वृष	सूर्य	मेष	07:22:14	राहु	
01/10/2010		08:38:20	मिथु	चंद्र	मक	02:21:40	28/09/2015	
01/10/2026		08:53:30	सिंह	मंगल	कर्क	23:33:15	28/09/2033	
गुरु	18/11/2012	22:48:21	वृष व	बुध	मेष	15:32:20	राहु	10/06/2018
शनि	02/06/2015	16:50:41	वृश्चि व	गुरु व	वृश्चि	20:57:30	गुरु	03/11/2020
बुध	07/09/2017	23:49:37	मेष	शुक्र	मीन	05:41:50	शनि	10/09/2023
केतु	14/08/2018	29:54:15	कुंभ	शनि	कुंभ	26:38:29	बुध	29/03/2026
शुक्र	14/04/2021	11:23:22	तुला व	राहु व	तुला	11:49:23	केतु	17/04/2027
सूर्य	31/01/2022	11:23:22	मेष व	केतु व	मेष	11:49:23	शुक्र	17/04/2030
चन्द्र	02/06/2023	06:24:16	मक व	हर्ष	मक	06:36:11	सूर्य	11/03/2031
मंगल	08/05/2024	01:27:49	मक व	नेप	मक	01:44:45	चन्द्र	09/09/2032
राहु	01/10/2026	05:08:11	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	06:11:29	मंगल	28/09/2033

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:44 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:39

लग्न-चलित

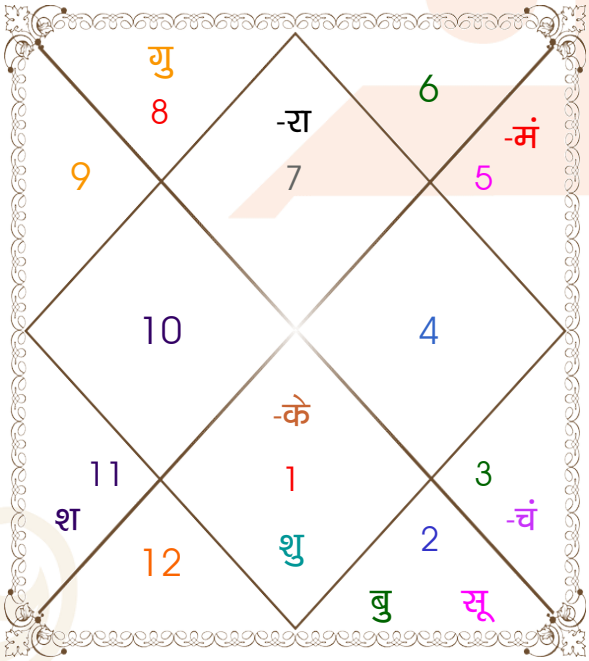

लग्न-चलित

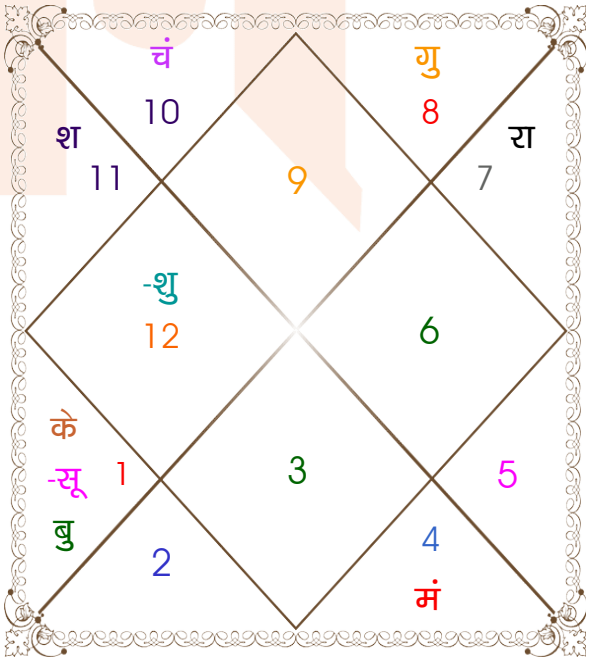

Shri Dadaji Jyotish kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

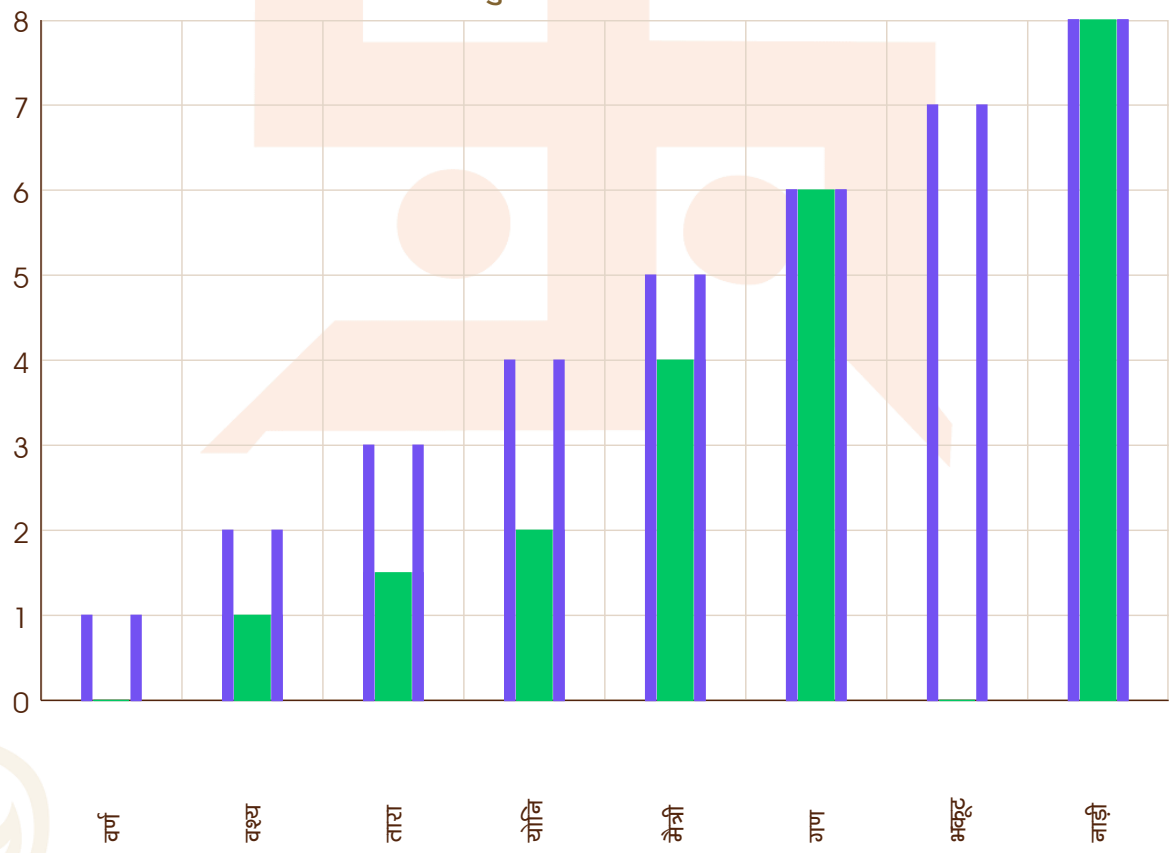

Shri Dadaji Jyotish kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. Sargam का वर्ग मार्जार है तथा Ms. Sakshee Chandra का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Sargam और Ms. Sakshee Chandra का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Sargam मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. Sakshee Chandra मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्थ;थ्डत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल Ms. Sakshee Chandra कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Sargam कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Sargam तथा Ms. Sakshee Chandra में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. Sargam का वर्ण शूद्र है तथा Ms. Sakshee Chandra का वर्ण वैश्य है। क्योंकि Ms. Sakshee Chandra का वर्ण Mr. Sargam के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms. Sakshee Chandra अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह Ms. Sakshee Chandra अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

Mr. Sargam का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms. Sakshee Chandra का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Mr. Sargam एवं Ms. Sakshee Chandra दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Ms. Sakshee Chandra अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Mr. Sargam अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Mr. Sargam की तारा क्षेम तथा Ms. Sakshee Chandra की तारा वध है। Ms. Sakshee Chandra की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Mr. Sargam एवं Ms. Sakshee Chandra दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Ms. Sakshee Chandra अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Mr. Sargam की योनि श्वान है तथा Ms. Sakshee Chandra की योनि नकुल है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. Sargam का राशि स्वामी Ms. Sakshee Chandra के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms. Sakshee Chandra का राशिस्वामी Mr. Sargam के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Mr. Sargam का गण मनुष्य तथा Ms. Sakshee Chandra का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Mr. Sargam से Ms. Sakshee Chandra की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Ms. Sakshee Chandra से Mr. Sargam की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Mr. Sargam एवं Ms. Sakshee Chandra दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। Mr. Sargam शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़

सकता है। दूसरी ओर Ms. Sakshee Chandra बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Mr. Sargam की नाड़ी आद्य है तथा Ms. Sakshee Chandra की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Mr. Sargam की आद्य नाड़ी तथा Ms. Sakshee Chandra की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. Sargam की जन्मराशि वायुतत्व युक्त मिथुन तथा Ms. Sakshee Chandra की राशि भूमितत्व युक्त मकर राशि है। नैसर्गिक रूप से वायु और भूमि तत्व में असमानता के कारण Mr. Sargam ओर Ms. Sakshee Chandra के मध्य स्वभावगत असमानताएं रहेंगी। साथ ही मतभेदों में भी प्रबलता रहेगी जिससे संबंधों मे तनाव रहेगा। अतः यह मिलान विशेष अच्छा नही रहेगा।

Mr. Sargam की जन्मराशि का स्वामी बुध तथा Ms. Sakshee Chandra की जन्मराशि का स्वामी शनि परस्पर मित्र एवं समभाव मे पड़ते है अतः सम्बंधों में सामंजस्य स्थापित करके मधुरता में वृद्धि करने के लिए स्थिति सामान्यता अच्छी रहेगी। ऐसी स्थिति मे जहाँ Ms. Sakshee Chandra का भाव उदासीनता युक्त रहेगा वहाँ Mr. Sargam पूर्ण सक्रियता से सुख शान्ति की वृद्धि में अपना सहयोग प्रदान करेगे।

Mr. Sargam और Ms. Sakshee Chandra की राशियं परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती है। यह प्रबल भकुट दोष माना जाता है। अतः इससे Mr. Sargam और Ms. Sakshee Chandra के परस्पर सम्बंधो मे अनावश्यक तनाव एवं कटुता रहेगी तथा वाद विवाद में भी इनका समय व्यतीत होगा उनमें मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी भिन्नता होगी जिससे दाम्पत्य जीवन की सुख शान्ति में न्यूनता रहेगी अतः यदि Mr. Sargam और Ms. Sakshee Chandra सहनशीलता और बुद्धिमता का पालन करें तो उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता आ सकती है।

Mr. Sargam का वश्य मानव तथा Ms. Sakshee Chandra का वश्य जलचर है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक असमानता तथा शत्रुता के भाव के कारण Mr. Sargam और Ms. Sakshee Chandra के स्वभाव तथा अभिरूचियों में स्वाभाविक अन्तर रहेगा फलतः एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे। साथ ही मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी तथा कामभावनाओं में भी एक दूसरे को प्रसन्न रखने मे असमर्थ रहेंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन विशेष सुखी नहीं रहेगा।

Mr. Sargam का वर्ण शुद्र तथा Ms. Sakshee Chandra का वर्ण वैश्य है। अतः Mr. Sargam किसी भी कार्य को करने में ईमानदारी तथा परिश्रम की प्रवृति रखेंगे वहीं Ms. Sakshee Chandra किसी भी कार्य को व्यापारिक बुद्धि से सम्पन्न करेंगी तथा धनार्जन के कार्यो में तत्पर रहेंगी।

धन

Mr. Sargam और Ms. Sakshee Chandra दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr. Sargam का जन्म आद्य तथा Ms. Sakshee Chandra का जन्म अन्त्य नाड़ी में हुआ है। अतः ये दोनों नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे लेकिन मंगल का Mr. Sargam के स्वास्थ्य पर शुभ प्रभाव नहीं होगा। अतः इससे वे रक्त या पित संबंधी रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही गुप्त रोगों की भी संभावना होगी एवं संभोग शक्ति में कमी के कारण दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति रहेगी। अतः उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता करने के लिए Mr. Sargam को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास भी करना चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से Mr. Sargam और Ms. Sakshee Chandra का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से इनको समय पर संतति प्राप्त होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों की अवस्था में अंतर भी अधिक नहीं रहेगा। इनकी कन्या संतति की अपेक्षा पुत्र संततियां अधिक मात्रा में होंगी।

सामान्यतया अन्य महिलाओं की तरह Ms. Sakshee Chandra भी प्रसव संबंधी कष्ट के विषय में चितिंत रहेंगी परन्तु उनको इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि इनके सभी प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होंगे तथा प्रसव संबंधी कोई भी समस्या नहीं होगी। Ms. Sakshee Chandra को गर्भपात या अन्य प्रसूति चिकित्सा संबंधी भय भी त्याग देना चाहिए। वह सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी स्वस्थता की ही अनुभूति करेंगी।

इनके सभी बच्चे व्यवहार कुशल एवं अपने क्षेत्र में स्वपरिश्रम योग्यता एवं बुद्धिमता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे लेकिन माता की अपेक्षा पिता के लिए वे विशेष आज्ञाकारी रहेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी अपनी बुद्धिमता एवं योग्यता से सर्वदा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। इस प्रकार माता पिता को अपने सुदंर स्वस्थ एवं बुद्धिमान बच्चों पर गर्व की अनुभूति होगी तथा सुख शांति एवं प्रसन्नता से अपने पारिवारिक जीवन को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ms. Sakshee Chandra तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Ms. Sakshee Chandra धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Ms. Sakshee Chandra के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी।

लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Ms. Sakshee Chandra का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

Mr. Sargam की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Mr. Sargam सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Mr. Sargam का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Mr. Sargam के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Mr. Sargam भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr. Sargam के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।